वानिकी प्रशिक्षण संस्थान (Forest Training Institute), चायल, हिमाचल प्रदेश के वन रक्षक प्रशिक्षणार्थी दल का आफरी भ्रमण (दिनाँक 7/1/2019)

वानिकी प्रशिक्षण संस्थान (Forest Training Institute), चायल, हिमाचल प्रदेश के 46 वन रक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने निदेशक श्री बी. एस. राणा , भा.व.से. एवं श्री हितेन्द्र शर्मा, उप वन संरक्षक के साथ शुष्क वन अनुसंधान संस्थान , जोधपुर का भ्रमण कर शोध गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। भ्रमण के प्रारम्भ में श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से., प्रभागध्यक्ष, विस्तार प्रभाग ने संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी । तत्पश्चात प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध संबंधी जानकारी हासिल की। आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला में श्री आतिफ इकबाल, शोधार्थी ने जैव तकनीक की जानकारी दी। डॉ. सरिता आर्य, वैज्ञानिक-जी ने उत्तक संवर्धन , श्री कुलदीप शर्मा , तकनीशियन, वन संरक्षण, श्री एन. के. लिम्बा , वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने आई.सी.पी.-एम.एस. (ICP-MS) की जानकारी दी। प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध संबंधी सूचनाओं का अवलोकन किया। श्री उमाराम चौधरी ने वहाँ प्रदर्शित अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन , टिब्बा स्थिरीकरण, जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन , लवण प्रभावित भूमि पुनर्वासन, कृषि वानिकी इत्यादि से संबन्धित जानकारी भ्रमणकारी दल को दी। श्री चौधरी ने यहाँ पर भ्रमणकारी दल को वृक्षों से होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभ की जानकारी देते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्ता बताई। श्री चौधरी ने पॉलिथीन के दुष्प्रभाव की भी चर्चा की

भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती कुसुमलता परिहार , तकनीकी अधिकारी एवं श्रीमती मीता सिंह तोमर तकनीशियन का सहयोग रहा।

GREEN SKILL DEVELOPMENT PROGRAMME (GSDP) – ENVIS
Certificate Course on
Waste Management (Solid Waste) Biomedical Waste, Plastic Waste, E-Waste, Construction and Demolition Waste)

DUNE STABILIZATION THROUGH SURFACE VEGETATION
PUBLICATIONS
OF RAJASTHAN

SHALLOW SANDY AND SALINE
GRASS SOWING MODES
AFFORESTATION TECHNIQUES FOR A
SANDY SALT AFFECTED SOIL FOR ENHANCED PRODUCTIVITY
PREPARATION OF SITE
WATER HARVESTING STRUCTURES
DIFFERENT SOIL TYPE OF RAJASTHAN

विस्तार एवं निर्वचन केंद्र
EXTENSION AND INTERPRETATION CENTRE